

## प्राइमरी अमीबिक मेनजिओन्सेफलाइटिस

स्रोत : द हट्टि

केरल ने इस दुर्लभ लेकिन घातक संक्रमण के हाल के मामलों के बाद प्राइमरी अमीबिक मेनजिओन्सेफलाइटिस ((Primary Amoebic Meningoencephaliti - PAM) के नदिान, प्रबंधन और रोकथाम के लिये तकनीकी दशिया-नरिदेश जारी किये हैं ।

- केरल स्वास्थय वभिाग ने **मैनजिाइटिस मामलों** से नपिटने के लिये SOP जारी किये हैं, जो इस दुर्लभ संक्रमण के लिये भारत में संभवतः दशिया-नरिदेशों का पहला सेट है । अधिकांश मामलों में अमीबिक परजीवी **नेगलेरिया फाउलेरी (Naegleria Fowleri)** की पहचान की गई, जिसमें से एक मामले में **वर्मअमीबा वर्मीफॉर्मिस (Vermamoeba Vermiformis)** की भी पहचान की गई ।
- **रोग की वशिषताएँ:** PAM **नेगलेरिया फाउलेरी** के कारण होता है, जो गर्म, स्थरि मीठे जल में स्वतंत्र रूप से मलिनने वाला अमीबा है और इसकी मृत्यु दर बहुत अधिक (>97%) है ।
  - इसे **"बरेन ईटगि अमीबा"** के रूप में जाना जाता है, यह नाक के मार्ग से मसूतषिक को संक्रमति करता है, जिससे मसूतषिक के ऊतकों को गंभीर नुकसान होता है । वशिष रूप से बच्चे इसके प्ररता संवेदनशील होते हैं, हॉलाकि PAM एक व्यक्ता से दूसरे व्यक्ता में या दूषति जल पीने से नहीं फैलता है ।
- **लक्षण और नदिान:** इसके लक्षणों में सरिदर्द, बुखार, मतली और उल्टी शामिल हैं । PAM का नदिान चुनौतीपूर्ण है और अक्सर **इसेक्टोरियल मैनजिाइटिस** समझ लिया जाता है ।
  - बैक्टीरियल मैनजिाइटिस का आशय मेनन्जिस (जो **मसूतषिक और मेरुदंड का सुरकषात्मक आवरण** है) में होने वाला संक्रमण है, जिसके परणामस्वरूप इसमें सूजन आ जाती है । यह एक गंभीर और जानलेवा स्थति है ।
- **उपचार:** प्रारंभिक नदिान और एंटीमाइक्रोबियल की समय पर शुरुआत महत्त्वपूर्ण है । इसकी इषटतम उपचार व्यवस्था अभी भी अनश्चिति है ।
- **रोकथाम के उपाय:** स्थरि मीठे जल के संपर्क में आने से बचने एवं नोज़ प्लग का उपयोग करने के साथ PAM को रोकने के लिये स्वमिगि पूल का उचति क्लोरीनीकरण एव रखरखाव सुनश्चिति करना चाहयि ।
- **वर्मअमीबा वर्मीफॉर्मिस** एक मुक्त-अवस्था में मलिनने वाला अमीबा है जो मीठे जल के स्रोतों सहति प्राकृतिक एवं मानव नरिमति वातावरण में पाया जाता है ।

और पढ़ें : नेगलेरिया फाउलेरी: "बरेन ईटगि अमीबा"